अब विवादित कंपनी की 'कुंडली' खंगालेंगे पुजारी

- महाकाल मंदिर परिसर के वीआर सेंटर पर कर्मचारी ही बने पुजारी
- धर्म को धंधा बनाने का आरोप, सोशल मीडिया प्रचार से बढ़ा आक्रोश
- महाकाल, रामघाट, मंगलनाथ के पुजारी पुरोहितो ने की आंदोलन की तैयारी

उज्जैन. विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के प्रांगण में पिछले तीन साल से संचालित एक वर्चुअल रियलिटी सेंटर एक नए विवाद के केंद्र में आ गया है. मंदिर की भस्मारती के वर्चुअल दर्शन (150 रुपये प्रति श्रद्धालु) कराने के लिए कथित तौर पर ठेका लेकर चल रहे इस सेंटर पर अब कुंडली देखने और पूजन-पाठ कराने के दावों को लेकर गंभीर आपत्ति जताई गई है.

मंदिर से जुड़े पंडित, पुजारी और पुरोहितों के साथ-साथ रामघाट, सिद्धनाथ और मंगलनाथ जैसे अन्य प्रमुख मंदिरों के पुजारियों ने भी इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है. **संतुष्टि ना मिले तो पैसे वापस-** विवाद उस समय और बढ़ गया जब वीआर कंपनी द्वारा कथित तौर पर सोशल मीडिया पर एक पंपलेट और पोस्टर जारी किया गया. इस प्रचार सामग्री में श्रद्धालुओं को 51 रुपये देकर अपनी कुंडली दिखाने और उसके हिसाब से पूजा-पाठ कराने का दावा किया गया है. पोस्टर में यहां तक कहा गया है कि आप पूजा से संतुष्ट नहीं हैं तो आपकी दक्षिणा वापस कर दी जाएगी.

कर्मचारी बने पुजारी-दरअसल वर्चुअल रियलिटी कंपनी के कर्मचारियों ने सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार के साथ ही लोगों को फोन लगाना शुरू कर दिया है, और पूजन पाठ के लिए उन्हें भ्रमित किया जा रहा है, श्रद्धालुओं को किस मंदिर में कौन सी पूजा करानी चाहिए ये भी बताया जा रहा है, पुजारी संगठनों का आरोप है कि यह कार्य उनके पारंपरिक अधिकारों और मंदिर की गरिमा का उल्लंघन है. **पुजारी संगठनों ने खोला मोर्चा**-वीआर कर्मचारियों द्वारा कथित रूप से किए जा रहे अन्य धार्मिक कार्यों से उज्जैन के सभी पुजारी संगठन एकजुट हो गए हैं. महाकाल मंदिर, रामघाट, सिद्धनाथ और मंगलनाथ के पुजारियों ने एक मत होकर इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर दी है और जल्द ही धरना-प्रदर्शन व आंदोलन करने का मन बना लिया है. पुजारियों ने प्रशासन से इस अवैध गतिविधि को तुरंत बंद कराने की मांग की है. **अधिकारियों पर सबकी नजर**-पुजारी संगठनों के आरोपों और वीआर कंपनी के खंडन के बीच अब सबकी निगाहें प्रशासनिक जांच के नतीजों पर टिकी हैं. यह देखना होगा कि मंदिर परिसर में धार्मिक गतिविधियों के कथित अनधिकृत संचालन को लेकर प्रशासन क्या कदम उठाता है.

वीआर कंपनी का खंडन, प्रशासन की आंतरिक जांच

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए उज्जैन के प्रशासनिक अधिकारियों ने पहले ही पुजारियों की शिकायत का संज्ञान लेते हुए आंतरिक जांच शुरू कर दी है. इधर, नवभारत ने जब महाकाल मंदिर प्रांगण में कथित तौर पर चल रहे इस वीआर सेंटर के कर्मचारियों से बात की, तो प्रतीक सक्सेना नामक केयरटेकर ने बताया कि उनकी कंपनी के प्रमुख भोपाल में बैठते हैं और वे तीन साल से महाकाल मंदिर से अनुबंध (कांटेक्ट) लेकर यह प्रकल्प चला रहे हैं. उन्होंने कहा हम सिर्फ वीआर के माध्यम से नियमानुसार दुर्लभ दर्शन करवा रहे हैं. रही बात किसी प्रकार की शिकायत की तो उसकी जानकारी नहीं है, और हमारे यहां पूजन पाठ नहीं कराया जाता है.

प्रदेश अध्यक्ष ने त्रिशा तावड़े का किया अभिनंदन

भोपाल. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतूल विधानसभा के ग्राम भड़ूस की बेटी एवं शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की प्रतिभाशाली छात्रा त्रिशा तावड़े के निवास पहुंचकर उन्हें दिल्ली में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से सम्मानित होने पर अभिनंदन किया.

बिना अनुमति रैली, जुलूस, धरना और प्रदर्शन पर प्रतिबंध

ग्वालियर. ग्वालियर जिले की सीमा के भीतर अब बिना अनुमति के किसी भी सार्वजनिक स्थल पर रैली, जुलूस, धरना या प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा. कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत इस संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है. आदेश के अनुसार, ऐसे आयोजनों के लिए सक्षम अधिकारी से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा. संबंधित अनुविभागीय अधिकारी अपने क्षेत्र में तथा एक से अधिक अनुविभाग में कार्यक्रम के लिए अपर जिला दण्डाधिकारी ग्वालियर से अनुमति देंगे.

बहनों को 1500 नहीं बल्कि 1250 मिलेंगे

श्योपुर के मेला ग्राउंड में होगा कार्यक्रम

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 11 अक्टूबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 12 अक्टूबर को श्योपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की लगभग 1 करोड़ 26 लाख 86 हजार लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 29वीं किस्त 1541 करोड की राशि का अंतरण करेंगे.

दीपावली से पहले बहनों को प्रतिमाह 1500 रुपये देने की घोषणा की गई थी, लेकिन सीएम रविवार को जो राशि अंतरित करेंगे, वह 1250 रुपये ही है. फिलहाल दीपावली से पहले 250 रुपये और अतिरिक्त राशि देंगे, ये साफ नहीं है. क्योंकि महिला एवं बाल विकास विभाग ने इस संबंध में अब तक वित्त विभाग को प्रस्ताव नहीं भेजा है.

बताया जा रहा है कि वित्त विभाग को महिला एवं बाल विकास विभाग ने पखवाड़ा भर पहले लाड़ली बहना योजना के तहत 1250 रुपये ही देने का प्रस्ताव भेजा था, जिस पर प्रशासकीय और वित्तीय स्वीकृति मिली है, लेकिन अब तक और अतिरिक्त राशि देने संबंधी कोई प्रस्ताव वित्त विभाग में लंबित नहीं है. ऐसे में संशय की स्थिति बन गई है कि दीपावली से पहले बहनों को केवल 1250 रुपये की राशि ही मिलेगी, या फिर और अतिरिक्त राशि देकर इसे 1500 रुपये इसी माह से किया जाएगा.

> रविवार को श्योपुर के मेला ग्रांउड पर आयोजित कार्यक्रम से मुख्यमंत्री श्योपुर जिले के 98.87 करोड़ के विकास कार्यो का लोकार्पण करेंगे तथा 460.40 करोड़ के निर्माण तथा विकास कार्यो का शिलान्यास करेंगे. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इस अवसर पर शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित करेंगे. महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यो के तहत एनआरएलएम तहत संचालित स्व-सहायता समूह की महिलाओं को 30 करोड़ 12 लाख रुपये की सीसीएल राशि का चैक सौपेंगे.

मानसून विदाई की ओर ठंड ने दी प्रदेश में दस्तक

भोपाल, 11 अक्टूबर. मध्यप्रदेश में मानसून सत्र अब समाप्ति की कगार पर है. अक्टूबर की शुरुआत के साथ ही दिन और रात के तापमान में उल्लेखनीय अंतर देखा जा रहा है.

प्रदेश के कई हिस्सों में शाम होते ही हल्की ठंड महसूस की जाने लगी है, वहीं कुछ क्षेत्रों में अब भी बारिश जारी है. मौसम विभाग के अनुसार, आज सिंगरौली, सीधी, अनुपपुर, शहडोल, डिंडोरी, सिवनी, मंडला और बालाघाट जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा हो सकती है. इसके अलावा भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, रीवा, मऊगंज, सतना, उमरिया, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर और पांढुर्णा जिलों में भी छुटपुट वर्षा की संभावना जताई गई है.

कहीं-कहीं तापमान में गिरावट

पिछले 24 घंटों में जबलपुर संभाग के जिलों में 2.2 डिग्री सेल्सियस तक तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि शेष संभागों में तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ. इस अवधि में शहडोल और जबलपुर संभाग के कुछ स्थानों पर वर्षा दर्ज की गई, वहीं अन्य क्षेत्रों में मौसम शुष्क बना रहा. दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा रक्सौल, वाराणसी, जबलपुर, अकोला, अहिल्यानगर और अलीबाग से होकर गुजर रही है. अगले दो से तीन दिनों में महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के शेष हिस्सों से मानसून की वापसी की परिस्थितियाँ अनुकूल बनी हुई हैं. इस बीच, पश्चिम-मध्य अरब सागर में चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है, जबकि पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम उत्तरप्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में प्रभावी बना हुआ है.

वन समिति घोटाले का आरोपी डिप्टी रेंजर गिरफ्तार

- बालाघाट से गिरफ्तार जेल भेजा गया

बैतूल, 11 अक्टूबर. वन सुरक्षा समिति की राशि के गबन और धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे डिप्टी रेंजर गोविंद वासनिक को बीजादेही पुलिस ने बालाघाट से गिरफ्तार कर लिया है.

आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है. जानकारी के अनुसार गोविंद वासनिक पूर्व में वन विकास निगम के रामपुर भतोड़ी प्रोजेक्ट में पदस्थ था. उस पर आरोप है कि उसने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए वन सुरक्षा समितियों माटीगढ़, चूनाहजूरी और रामपुर भतोड़ी के खातों से नियम विरुद्ध तरीके से लाखों रुपये का गबन किया. यह राशि ग्रामीणों और समिति कार्यों के लिए स्वीकृत की गई थी.

घोटाले का खुलासा होने के बाद आरोपी का तबादला खंडवा जिले में कर दिया गया था. प्रोजेक्ट मैनेजर की शिकायत पर उसके खिलाफ थाना बीजादेही में एफआईआर दर्ज की गई, जिसके बाद से वह फरार हो गया था. पुलिस लगातार उसकी तलाश में थी और आखिरकार उसे बालाघाट से दबोच लिया गया.

छिंदवाड़ा त्रासदी पर मुकेश नायक ने बीजेपी को घेरा

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 अक्टूबर. कांग्रेस मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने शनिवार को मध्यप्रदेश के भाजपा नेताओं पर छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत के मामले को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाया.

नायक ने कहा कि इस दर्दनाक घटना के बावजूद न तो मुख्यमंत्री और न ही स्वास्थ्य मंत्री ने अब तक कोई संतोषजनक जवाब दिया है. उन्होंने आरोप लगाया कि जब मीडिया ने उनसे सवाल किए, तो भाजपा नेता टालमटोल और असंवेदनशील रवैया अपनाते दिखे. नायक ने कहा कि यह पूरे प्रदेश को झकझोर देने वाली त्रासदी है और दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए.

- बच्चों की मौत के मामले को गंभीरता से न लेने का आरोप
- स्वास्थ्य मंत्री ने अब तक कोई संतोषजनक जवाब दिया

जीतू पटवारी ने की सीबीआई जांच की मांग

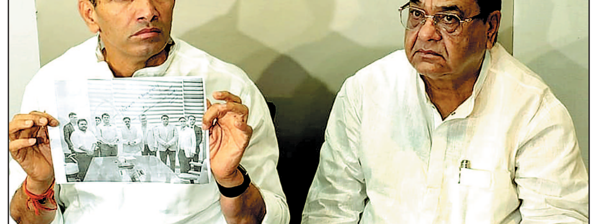

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 अक्टूबर. मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शनिवार को राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पर करारा हमला बोलते हुए 25 से अधिक मासूम बच्चों की जहरीले कफ सिरप से हुई मौतों को लेकर घोर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए.

प्रेस वार्ता में पाटवारी ने कहा कि पिछले तीन महीनों में राज्य के विभिन्न जिलों में 150 से अधिक बच्चों की मौतें दर्ज की गई हैं जो किसी बीमारी से नहीं, बल्कि सरकारी लापरवाही से हुई हत्याएं हैं. उन्होंने बताया कि 19 सितंबर 2025 को महाराष्ट्र के नागपुर प्रयोगशाला ने स्वास्थ्य विभाग को रिपोर्ट भेजी थी, जिसमें स्पष्ट किया गया था कि मौतें दूषित दवा के कारण हुई हैं, न कि किसी रोग से. इसके बावजूद स्वास्थ्य मंत्री ने कोई कदम नहीं उठाया और उत्सव मनाते रहे. पाटवारी ने कहा कि 3 सितंबर को पहली मौत के बाद भी विभाग ने कोई पोस्टमार्टम नहीं कराया और न ही समीक्षा बैठक बुलाई, जबकि आठ और बच्चों की जान चली गई. उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे, स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव को हटाने और ड्रग कंट्रोलर पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की.

> उन्होंने सोनू राणा नामक व्यक्ति पर आरोप लगाया कि वह स्वास्थ्य विभाग और दवा कंपनियों के बीच सौदे करवाने का काम करता है और उसका संबंध केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के पीए आदित्य सिंह से है. पाटवारी ने इस घटना को गैर-इरादतन हत्या बताया और पूरे मामले की सीबीआई व एसआईटी जांच की मांग की. साथ ही उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस सभी जिलों में बाल अस्पतालों के बाहर उपवास और धरना देकर सरकार से जवाब मांगेगी.

- पटवारी ने राज्य सरकार पर करारा हमला बोला
- घोर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए

सत्ता के गलियारों से

कन्हैया लोधी

कॉन्फ्रेंस का पहला अनुभव

पिछले दिनों राजधानी में कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया. इस दो दिनी हाई-प्रोफाइल कॉन्फ्रेंस के लिये बड़े मैदानी अफसर राजधानी में जुटे. लगभग सात वर्ष के लंबे इंतजार के बाद हो रही इस तरह की कॉन्फ्रेंस में शामिल होना ज्यादातर कलेक्टर-एसपी के लिये पहला अनुभव रहा. ज्यादातर अफसर आज्ञाकारी और अनुशासित स्टूडेंट की तरह बड़े अफसरों की बातों को पूरा ध्यान से सुनते रहे. सीएस ने पहले ही अफसरों को ताकीद कर दिया था कि नोटपैड और पेन अफसर के पास होना कितना जरुरी होता है, बस फिर क्या था, ज्यादातर बड़े अफसरों की नसीहत को बीच-बीच में नोट भी करते रहे और इस बहाने वे जताते रहे कि वे कितनी संजीदगी से अपने अफसरों की बातें सुन रहे हैं. इन बातों का कितना असर होता है आने वाले दिनों में देखने मिलेगा.

पहले पति और अब पत्नी को जिले की कमान

एक आईएएस दंपति के लिये पिछले दिनों हुए तबादलों ने एक नये तरह का सुखद अनुभव दिला दिया. दरअसल इस जिले में एक ऐसी महिला अधिकारी को कलेक्टर बना दिया गया है, जहां कि उनके पति पहले कलेक्टरी कर चुके हैं. इस जिले में लगातार दो महिला कलेक्टर पदस्थ करने से पहले उनके पति ही जिले की कमान संभाल रहे थे, जब मैडम कलेक्टर की पदस्थापना मंत्रालय की पांचवीं मंजिल से महाकौशल के एक जिले में की गई थी, तब उनके पति पास के जिले में ही कलेक्टर का दायित्व संभाल रहे थे, लेकिन कुछ समय बाद ही पति को एक दूसरी जिम्मेदारी देते हुए भोपाल में पदस्थ कर दिया गया. बेहद नम्र मिजाज की मैडम कलेक्टर को अब अपने पति के अनुभव का भी लाभ मिलने लगा है. उन्हें जिले के मिजाज को समझने में किसी और सूत्र की जरुरत ही नहीं पड़ी.

सहजता जो किसी अदा से कम नहीं

प्रदेश भाजपा संगठन में बड़ी जिम्मेदारी संभाल रहे नेताजी के लिये कामकाज नया-नया ही है. उनकी सद्भावना गाहे-बगाहे प्रदर्शित भी हो जाती है. कद में अपने से कमतर नेआओं के सामने भी वे कई बार इतने सहज और सरल रहते हैं कि देखने से लगता है कि जैसे उन्हें ही कोई सीख दी जा रही हो. बताया जा रहा है कि उनकी ये सहजता उनकी अदा है. ये नेताओं को पूरा मौका दे रहे हैं जिससे कि अंदर-बाहर की बातें उनके सामने पूरी बेबाकी से सामने आये. और यदि किसी मामले में चाबुक चलाना पड़े तो फिर ये पॉवर तो उनके हाथ में है ही.

हाशिये में चल रहे नेताजी को बिहार में बड़ी जिम्मेदारी

कभी सरकार में अपनी कार्यशैली का लोहा मनवा चुके भाजपा के कद्दावर नेताजी के पास लंबे समय से कोई बड़ा काम नहीं था, लेकिन अब जाकर उनकी सुध केंद्रीय नेतृत्व ने ली है. उनको बिहार के चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है. उन्हें कुछ विधानसभा सीटों का प्रभारी बना दिया गया है. वैसे वे अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन उप्र विधानसभा चुनाव के अलावा दिल्ली और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान भी कर चुके हैं. अब बारी बिहार की है. हाशिये में चल रहे नेताजी को ये बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद वे रवाना भी हो गये हैं. उनको लंबे समय से केंद्रीय नेतृत्व से नजरें इनायत होने का इंतजार है, देखना ये है कि उनकी भावनाओं का सम्मान कब होता है.

डीआरएम ने स्टेशन पर यात्रियों से किया संवाद

भोपाल, 11 अक्टूबर. पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मंडल के रेल प्रबंधक पंकज त्यागी की अध्यक्षता में शनिवार को अमृत संवाद कार्यक्रम का आयोजन भोपाल रेलवे स्टेशन पर किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य यात्रियों और रेल प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित कर रेलवे सेवाओं को और अधिक जनोन्मुखी व प्रभावी बनाना था.

भारतीय रेल के स्वच्छता अभियान 5.0 के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में डीआरएम ने यात्रियों से स्वच्छता एवं यात्री सुविधाओं से संबंधित सुझाव और फीडबैक प्राप्त किए.

डीआरएम त्यागी ने यात्रियों के हर प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि रेलवे यात्रियों के सुझावों को गंभीरता से लेकर बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है. इस अवसर पर महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा अनीता त्यागी, अपर मंडल रेल प्रबंधक अभिराम खरे, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया, मंडल के शाखा अधिकारी, कर्मचारी, मीडिया प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में यात्री उपस्थित रहे.

रेलवे भर्ती सेल
पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

वर्ष 2025-26 के लिए खेल-कूद कोटा के अंतर्गत भर्ती

रोजगार सूचना सं. एनईआर/आरआरसी/एसक्यू/2025-26 दिनांक : 09.10.2025

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि व समय	11.10.2025, 10:00 बजे
ऑनलाइन आवेदन समाप्त होने की तिथि व समय	10.11.2025, 18:00 बजे

पूर्वोत्तर रेलवे में वर्ष 2025-26 के लिए खेलकूद कोटा (खुला विज्ञापन) के अंतर्गत विभिन्न खेलों के लिए लेवल-2/3/4/5 (ग्रुप 'सी') के 21 पदों तथा लेवल-1 (पूर्ववर्ती ग्रुप 'डी') के 28 पदों पर भर्ती हेतु पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। विस्तृत सूचना के लिए पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ner.indianrailways.gov.in देखें।

मुजाधि/आर.आर.सी.-03 — अध्यक्ष, रेलवे भर्ती सेल, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

समारोह

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में 799 विद्यार्थियों को दी उपाधियां

समृद्धि के शिखर पर माता-पिता, समाज और देश को न भूलें

सतना, 11 अक्टूबर. राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि वंचित समुदाय के उत्थान का मार्ग प्रशस्त करना है.

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे समृद्धि और सफलता के शिखर पर पहुँचकर अपने माता-पिता, समाज, देश और शिक्षकों को कभी न भूलें. समृद्धि पुरुषार्थ से मिलती है, परंतु इसके साथ उदारता का समावेश भी होना चाहिए. राज्यपाल पटेल महत्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय में अध्ययन करना विद्यार्थियों के लिए सौभाग्य की बात है. नानाजी के विचारों से प्रेरणा लेकर विद्यार्थियों को राष्ट्र और समाज कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए. समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की जन्म जयंती पर आयोजित दीक्षांत समारोह के माध्यम से उनके आदर्शों को स्मरण करता है. नानाजी का दृष्टिकोण नई शिक्षा नीति में निहित है. उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवाओं, किसानों और उद्योगपतियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी. राष्ट्रीय शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि विद्यार्थी तभी सफल है जब वह समाज और राष्ट्र के कल्याण में योगदान देने में सक्षम हो.

दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा कि नानाजी ने 75 वर्ष की आयु में चित्रकूट को अपनी कर्मभूमि बनाकर समाज परिवर्तन की दिशा में कार्य किया.

> कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने स्वागत भाषण एवं प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय को ह्रष्ट द्वारा ए डबल प्लस ग्रेड से सम्मानित किया गया है. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण के साथ संसाधन सृजन के नए आयाम जोड़ रहा है. दीक्षांत समारोह में 37 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि, 762 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियाँ प्रदान की गई. राज्यपाल ने 35 स्वर्ण पदक प्रदान किए, वहीं कृषि संकाय की दिशा साहू को नानाजी देशमुख स्मृति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया.

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)

उज्जैन (मध्य प्रदेश) में कैंप कार्यालय की आवश्यकता

बीपीसीएल को उज्जैन, मध्य प्रदेश में परियोजना कार्यालय के लिए स्थान की आवश्यकता है। संपत्ति इंदौर-उज्जैन एनएच राजमार्ग 27 के दोनों ओर नानाखेड़ा बस स्टैंड, उज्जैन, मध्य प्रदेश के पास 1000 मीटर के दायरे में स्थित होनी चाहिए। प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं ताकि परियोजना कार्यालय के लिए उपयुक्त स्थान प्रदान किया जा सके, जिसमें न्यूनतम 2500 वर्ग फुट (232.3 वर्ग मीटर) कारपेट एरिया शामिल हो। यह कोई व्यक्तिगत घर, विला या फ्लैट हो सकता है जिसमें न्यूनतम 3 अलग-अलग कमरे/कैबिन, एक हॉल, और कॉमन एरिया हो जो ऊपर बताए गए क्षेत्रों में आसानी से उपलब्ध हो। भवन में सभी आवश्यक सुविधाएँ जैसे बिजली, पावर बैकअप, पानी, पर्याप्त पार्किंग, शौचालय आदि मौजूद होने चाहिए।

इच्छुक पक्ष अपने प्रस्ताव दो सीलबंद लिफाफों में प्रस्तुत कर सकते हैं।

लिफाफा 1 – (प्रति माह प्रति वर्ग फुट बिल्ट-अप क्षेत्र के लिए प्रस्तावित किराया दर)

लिफाफा 2 – संपत्ति का ब्लूप्रिंट, स्वामित्व रिकॉर्ड, हाल ही का बिजली बिल, संपत्ति कर रसीद और पानी बिल। साथ ही, मालिक का आधार कार्ड और पैन कार्ड भी।

संपूर्ण प्रस्ताव और सहायक दस्तावेज 26.10.2025 को 15:00 बजे तक नीचे दिए गए पते पर डाक या व्यक्तिगत रूप से जमा किए जा सकते हैं।

मेसर्स भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, वीबीपीएल, चाप्स एस्टेट, पहली मंजिल, तारा टावर्स के पास, करमसद वी वी नगर रोड, आनंद – 388325, गुजरात

बोली दस्तावेज़ प्राप्त करने के लिए संपर्क

patidarpraveen@bharatpetroleum.in - 9928005434

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60